PRESS / MEDIA COVERAGE OVER BLW, VARANASI

अमर उजाला, वाराणसी (पृष्ठ सं.-11)

दिनांक: 05.05.2022

बरेका में बनने वाले इंजनों की विदेशों में बढ़ी डिमांड

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना में बनने वाले रेल इंजनों की विदेशों में डिमांड काफी बढ़ गई है। अब तक बरेका द्वारा निर्मित 171 रेल इंजनों का प्रयोग 11 अन्य देशों में किया जा रहा है। इनमें तंजानिया, वियतनाम, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, सूडान, सेनेगल, अंगोला, माली, मलेशिया और मोजांबिक शामिल हैं।

बीते साल हाल में मोजांबिक की मांग पर छह डीजल रेल (3100 एचपी, सीजी) इंजनों को भेजा गया है। इन इंजनों की खासियत यह है कि इनमें प्रयोग होने वाले 98 प्रतिशत सामान स्वदेशी हैं। वर्तमान में सबसे ज्यादा लोकोमोटिव डब्ल्यूएपी7 और लोकोमोटिव डब्ल्यूएजी-9 एच का निर्माण किया जा रहा है। लोकोमोटिव डब्ल्यूएपी7 यात्री इंजन है। यह 6000 अश्व शक्ति का मेन लाइन इलेक्ट्रिक इंजन है, जो 140 किलोमीटर प्रति घंटे की क्षमता वाला है। लोकोमोटिव डब्ल्यूएजी-9 एच मालगाड़ी इंजन है। यह भी 6000 अश्व शक्ति का हैवी हॉल फ्रेट सर्विस इलेक्ट्रिक इंजन है, जो 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ता है। इसकी विदेशों में काफी डिमांड है।